Total No. of Printed Pages—4

3 SEM TDC HND M 1

2017

(November)

HINDI

(Major)

Course : 301

(नाटक साहित्य)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32/24

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'नाटक' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के किस 'धातु' से हुई है?

(ख) एक पाठ्य नाटक का नाम लिखिए।

(ग) चंद्रगुप्त किस वंश का सम्राट था?

(घ) नंद कहाँ का सम्राट था?

(ङ) अलका कौन थी?

(च) 'धर्मयुग' का संपादन किसने किया था?

(छ) 'अंधायुग' काव्य-नाटक में कुल कितने अंक हैं?

(ज) युधिष्ठिर कौन थे?

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) "आर्यावर्त का भविष्य लिखने के लिए कुचक्र और प्रतारणा की लेखनी और मसि प्रस्तुत हो रही है। उत्तरापंथ के खण्ड राज्य द्वेष से जर्जर हैं। शीघ्र भयानक विस्फोट होगा।"

अथवा

"मानव कब दानव से भी दुर्दांत, पशु से भी बर्बर और पत्थर से भी कठोर—करुणा के लिए निरवकाश हृदय वाला हो जाएगा, नहीं जाना जा सकता। अतीत सुखों के लिए सोच क्यों? अनागत भविष्य के लिए भय और वर्तमान को मैं अपने अनुकूल बना ही लूँगा, फिर चिंता किस बात की।"

(ख) "मरण नहीं है ओ व्याध।
मात्र रूपांतरण है यह
सबका दायित्व लिया मैंने अपने उपर
अपना दायित्व सौंप जाता हूँ मैं सबको
अब तक मानव-भविष्य को मैं जिलाता था
लेकिन इस अंधे युग में मेरा एक अंश
निष्क्रिय रहेगा, आत्मघाती रहेगा
और विलगित रहेगा।"

अथवा

"मैंने कहा था दुर्योधन से
धर्म जिधर होगा ओ मूर्ख!
उधर जय होगी!
धर्म किसी ओर नहीं था। लेकिन
सब ही थे अंधी प्रवृत्तियों से परिचालित
जिसको तुम कहते हो प्रभु
उसने जब चाहा
मर्यादा को अपने हित में बदल लिया।
वंचक है!"

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : 4×4=16

(क) भारतीय आचार्यों ने नेता (नायक) के कितने प्रकार बताएँ हैं? संक्षेप में उनका परिचय दीजिए।

(ख) काव्य-नाटक से आपका क्या तात्पर्य है? संक्षेप में उत्तर दीजिए।

(ग) कार्नेलिया का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) जयशंकर प्रसाद के ऐतिहासिक नाटकों में 'चंद्रगुप्त' नाटक का स्थान निर्धारित कीजिए।

(ङ) गांधारी ने कृष्ण को क्या श्राप दिया था और उसके पीछे उसका क्या तर्क था? 'अंधायुग' नाटक के आधार पर उत्तर दीजिए।

(च) अश्वत्थामा को कवि धर्मवीर भारती ने विलगित क्यों कहा है? विस्तार से समझाइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $10 \times 4 = 40$

(क) भारतीय आचार्यों ने रूपक या नाटक के मुख्य रूप से कितने विधायक तत्त्व स्वीकार किए हैं? विस्तार से समझाइए।

(ख) एक विधा के रूप में नाटक के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक में क्या अंतर है? किसी एक रेडियो नाटक की मीमांसा कीजिए।

(घ) 'चंद्रगुप्त' नाटक में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है। तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ङ) 'चंद्रगुप्त' नाटक के नायकत्व पर विचार करते हुए यह निर्णय कीजिए कि इसका नायक चंद्रगुप्त है या चाणक्य।

(च) 'अंधायुग' के संवाद योजना पर एक निबंध लिखिए।

(छ) अभिनेयता की दृष्टि से धर्मवीर भारती के काव्य-नाटक 'अंधायुग' की समीक्षा कीजिए।

★ ★ ★